Dr. Sunil Kr. Suman
Assistant Professor (Guest)
Deptt. of Psychology
D.B. College Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study Material
B.A. Part-II (H)
Paper-IV
Date: 04-09-2020

Behaviorism

Contribution of Watson

वाटसन ने 1913 ई० में जॉन हॉपकिन्स विश्वविद्यालय (John Hopkins University) में व्यवहारवाद की संस्थापना की। उस समय में वे इस विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान के अध्यक्ष थे। इस सम्प्रदाय के स्कूल की स्थापना संरचनावाद (Structuralism) तथा प्रकार्यवाद (Functionalism) के विरोध में हुआ। मनोविज्ञान का यह स्कूल काफी प्रबल रहा और अपनी इस प्रबलता के कारण ही इसे मनोविज्ञान में 'द्वितीय बल' (Second Force) के रूप में भी जाना जाता है। 'प्रथम बल' (First Force) मनोविश्लेषण (Psychoanalysis) का दूसरा नाम है।

वाटसन के व्यवहारवाद दो उपसम्प्रदाय हैं- प्राथमिक (Primary) तथा द्वितीयक (Secondary)। वाटसन के प्राथमिक व्यवहारवाद को के दो मुख्य पहलू हैं- धनात्मक पहलू (Positive aspect) तथा नकारात्मक पहलू (Negative aspect)। वाटसन के धनात्मक पहलू में वस्तुनिष्ठ मनोविज्ञान (objective psychology) पर बल डाला गया है वे पशुमनोविज्ञान की प्रविधियों एवं नियमों को मानव मनोविज्ञान पर लागू करना चाहते थे उनके लिए व्यवहार का अध्ययन न कि चेतना का अध्ययन मनोवैज्ञानिकों के लिए वैज्ञानिक आँकड़े के मुख्य स्रोत हैं। व्यवहारवाद के इस पहलू को 'आनुभाविक व्यवहारवाद (empirical Behaviourism) या कार्यविधि व्यवहारवाद

Scanned with CamScanner

methodological behaviourism) कहा गया।
वाटसन का व्यवहारवाद का नकारात्मक पक्ष
(Negative aspect) टिचेनर तथा वुण्ट के
अन्तर्निरीक्षणात्मक अस्वीकृत कर दिये तथा एंजिल
के प्रकार्यवाद के खिलाफ मनोविज्ञान तथा एंजिल
के प्रकार्यवाद को अस्वीकृत किया जाता था वे
टिचेनर के अन्तर्निरीक्षणात्मक आँकड़ो को
अस्वीकृत कर दिये तथा एंजिल के प्रकार्यवाद
के खिलाफ आवाज बुलन्द किये क्योंकि इस
प्रकार्यवाद द्वारा अन्तर्निरीक्षणात्मक आँकड़े
(Introspective data) को स्वीकार किया गया
सन 1919 मे वाटसन ने अतिन्द्रिय स्थिति
(Metaphysical position) पर बल डाला जिसमे
मन या चेतना के अस्तित्व को स्वीकारा
नहीं गया। शायद यही कारण है कि वाटसन
के मनोविज्ञान को 'मन-रहित मनोविज्ञान'
mindless psychology) कहा गया है।

Next-class